सफलता की कहानी

सुश्री प्रतिभा कुमारी पुत्री श्री रोशल लाल निवासी सैदपुरा खुर्द, बलाक बघरा, जिला मुजफ्फरनगर ने स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की किन्तु पारिवारिक परिस्थतिया प्रतिकूल होने के कारण आत्मनिर्भर होना मजबूरी बन गया। स्वरोजगार की चाह में कृषि विज्ञान केन्द्र, बघरा की गृह वैज्ञानिक से सलाह ली, उनके मार्गदर्शन से अपने जैसी सामाजिक एवं आर्थिक रुप से पिछड़ी महिलाओ को जोड़कर वर्ष 2018 से 12 महिलाओं का स्वय सहायता समूह बनाया, जिसमें प्रत्येक सदस्य रु 200/– प्रतिमाह की बचत करते हुए आर्थिक स्वालम्बन की ओर बढ़े।

केन्द्र की गृह वैज्ञानिक डा सविता आर्या एवं तत्कालीन केन्द्र के अध्यक्ष डा0 पी0 के0 सिंह की प्रेरणा से खादी गामोद्योग से प्रशिक्षण प्राप्त करके धूपबत्ती, डिटरजेन्ट पाउडर, नहाने का साबुन, टायलेट क्लीनर आदि बनाना प्रारम्भ किया।कोरोनाकाल में सैनेटाइजर एवं मास्क का निमार्ण एवं विक्रय उच्च स्तर पर किया। वर्तमान में मोटा अनाज मिलाकर मल्टीग्रेन आटा तैयार कर बेचने का कार्य शुरु किया है। जो अच्छा लाभ दे रहा है।

प्रतिभा के समूह संजीवनी स्वय सहायता समूह को नाबार्ड से रु 1.15 लाख रु की सहायता मिली जिसकी मदद से समूह ने अपना कुटीर उद्योग स्थापित कर लिया है। वर्तमान में समूह की कुल आय रु 35000–40000 प्रतिमाह है। सुश्री प्रतिभा अपने उत्पाद कृषि विज्ञान केन्द्र एवं जिला स्तर पर होने वाले विभिन्न मेलों एवं आयोजनो के द्वारा पूरे जिले के लोगो तक पहुॅचा रही है।